लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *227

05 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत कार्यक्रम

***227. श्री के. ई. प्रकाश:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) के अंतर्गत, विशेषकर स्वदेशी विनिर्माण घटक के अंतर्गत, तिरुप्पुर और इरोड क्षेत्रों से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा और ऐसे प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार को यह जानकारी है कि खेलों से संबंधित तकनीकी वस्त्रों में विविधता लाने के लिए तिरुप्पुर में आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त मिशन के अंतर्गत इसे बढ़ावा देने के लिए संकुल संबंधी कार्यक्रम या सहकारी समिति संबंधी पहल जैसे कदम उठाए जा रहे हैं;

(ङ) क्या इस क्षेत्र की मौजूदा वस्त्र क्षमताओं के आधार पर इस मिशन के अंतर्गत किसी विविधीकरण संबंधी कार्यक्रम पर विचार किया जा रहा है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार की इरोड में कृषि-तकनीकी और पैक-तकनीकी वस्त्र उत्पादन को बढ़ावा देने की योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत कार्यक्रम" पर श्री के.ई. प्रकाश द्वारा पूछे गए दिनांक 05.08.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *227 के भाग (क) से (च) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) और (ख): तकनीकी वस्त्रों पर राष्ट्रीय मिशन 1480 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ वर्ष 2020 में शुरू किया गया, जिसमें अनुसंधान, नवाचार और विकास; संवर्धन और बाजार विकास; निर्यात संवर्धन; और शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास पर मुख्य ध्यान दिया गया।

भारत सरकार ने एनटीटीएम की तकनीकी वस्त्रों में आकांक्षी नवप्रवर्तकों को अनुसंधान एवं उद्यमिता अनुदान (ग्रेट) योजना के अंतर्गत तिरुप्पुर और इरोड के दो प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। तिरुप्पुर में स्वीकृत परियोजना **"वस्त्र एवं औद्योगिक जेडएलडी संयंत्रों सर्कुलेरिटी और सस्टेनेबिलिटी (परिपत्रता एवं स्थायित्व) में अंतिम अवशेषों से संसाधन पुनर्प्राप्ति हेतु प्रायोगिक स्तर पर इनोवेटिव जीरो सॉलिड डिस्चार्ज (जेडएसडी) प्रणाली के डिजाइन एवं विकास"** पर आधारित है। अन्य अनुमोदित परियोजना "हॉस्पिटल वियर के लिए नैचुरल एंटी-माइक्रोबियल कोटेड टेक्सटाइल" पर इरोड क्षेत्र में है।

इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु राज्य के विभिन्न स्थानों पर **बारह अनुसंधान** परियोजनाओं और **दो स्टार्ट-अप** परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। तमिलनाडु के बारह (12) शैक्षणिक संस्थानों को राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) के अंतर्गत अपने पाठ्यक्रम में तकनीकी वस्त्र-संबंधी विषयों को शामिल करने के लिए सहायता प्रदान की गई है।

(ग): राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत, स्पोर्ट टेक्सटाइल में छह (06) अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से एक परियोजना तमिलनाडु में स्वीकृत की गई है। इसके अलावा, वस्त्रों के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत स्वीकृत तकनीकी वस्त्रों की 42 विनिर्माण इकाइयों में से चार (04) इकाइयां स्पोर्ट टेक्सटाइल क्षेत्र में कार्यरत हैं, जिनमें से दो (02) इकाइयां तमिलनाडु में स्थित हैं। तिरुप्पुर को देश के प्रमुख वस्त्र समूहों में से एक माना जाता है। इस समूह ने वस्त्र निर्माण और निर्यात में महत्वपूर्ण क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। एनटीटीएम इरोड और तिरुप्पुर के कलस्टरों सहित पूरे भारत में तकनीकी वस्त्रों के सभी 12 क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक अखिल भारतीय मिशन है।

(घ) और (ङ): वस्त्र मंत्रालय ने पूरे भारत में तकनीकी वस्त्रों के प्रमुख क्षेत्रों में आठ (08) उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं। ये उत्कृष्टता केंद्र संबंधित क्षेत्रों के लिए वन-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करते हैं और इन्हें क्लस्टर कार्यक्रमों/सहकारी पहलों को क्रियान्वित करने का भी दायित्व सौंपा गया है। ऐसा ही एक केंद्र, अर्थात दक्षिण भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (सिटरा), तमिलनाडु के कोयंबटूर में स्थित है, जो पूरे भारत में उद्योग को सेवाएँ प्रदान करने के अलावा, इरोड और तिरुप्पुर में भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

एनटीटीएम के 'संवर्धन एवं बाज़ार विकास' घटक के अंतर्गत, तमिलनाडु राज्य सहित पूरे देश में सेमिनार, सम्मेलन और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि तेज़ी से बढ़ते तकनीकी वस्त्र क्षेत्र की क्षमता के बारे में जागरूकता लाई जा सके और उद्योग के स्टेकहोल्डरों के लिए उभरते अवसरों को उजागर किया जा सके। मार्च 2020 में एनटीटीएम की शुरूआत के बाद से, तमिलनाडु राज्य में 2 कार्यक्रम सहित देश भर में कुल **32 ऐसे प्रचार और जागरूकता कार्यक्रम** आयोजित किए जा चुके हैं।

(च): राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत, उत्पादकता और क्षमता बढ़ाने के लिए एग्रो-टेक और पैक-टेक सहित तकनीकी वस्त्रों के 12 क्षेत्रों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। एग्रोटेक में चौदह (14) अनुसंधान परियोजनाएं और पैकटेक में एक (01) अनुसंधान परियोजना को एनटीटीएम के तहत मंजूरी दी गई है। जिसमें से, एग्रोटेक सेगमेंट में तमिलनाडु में एक परियोजना को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, वस्त्रों के लिए उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत, एग्रोटेक सेगमेंट में कुल 06 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त ससमीरा, मुंबई एग्रोटेक्सटाइल्स के लिए स्थापित उत्कृष्टता केंद्र है, जो पूरे भारत में उद्योग को सेवा प्रदान कर रहा है। एनटीटीएम इरोड सहित भारत में तकनीकी वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय मिशन है और उद्योग अनुसंधान और नवाचार, बाजार संवर्धन, कौशल विकास और शिक्षा के लिए एग्रोटेक्सटाइल्स और पैकटेक सहित तकनीकी वस्त्रों के सभी क्षेत्रों के लिए एनटीटीएम के तहत प्रदान की गई व्यापक सहायता का लाभ ले सकते हैं।

****